



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 18]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 12, 2010/पौष 22, 1931

No. 18]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 12, 2010/PAUSA 22, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 2010

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 273 मि.मी. अथवा 10 इंच से अनधिक बाह्य व्यास वाले लोहे, मिश्रित अथवा गैर-मिश्रित इस्पात (ढलवाँ लोहे से इतर) के हॉट फिनिश अथवा कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड सीमलैस द्यूब, पाइप और हॉलो प्रोफाइल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

फा. सं. 14/55/2009-डीजीएडी.—यतः मै. आईएसएमटी लिमिटेड, पुणे (जिसे एतदपश्चात् आवेदक कहा जाएगा) ने 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा जाएगा) तथा सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण हेतु) नियमावली, 1995 (जिन्हें एतदपश्चात् नियम कहा जाएगा) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें उन्होंने चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 273 मि.मी. अथवा 10 इंच से अनधिक बाह्य व्यास वाले लोहे, मिश्रित अथवा गैर-मिश्रित इस्पात (ढलवाँ लोहे से इतर) के हॉट फिनिश अथवा कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड सीमलैस द्यूब, पाइप और हॉलो प्रोफाइल (जिन्हें एतदपश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन का आरोप लगाया है और सम्बद्ध वस्तुओं के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु पाटनरोधी जांच शुरू किए जाने का अनुरोध किया है। मै. महाराष्ट्र सीमलैस लि. और ज़िदल सॉ लि. ने इस आवेदन का समर्थन किया है।

2. और यतः प्राधिकारी ने पाया है कि सम्बद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग की क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं और वे एतद्वारा किसी कथित पाटन की उपस्थिति, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन एवं परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच प्रारम्भ करते हैं।

विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद 273 मि.मी. अथवा 10 इंच से अनधिक बाह्य व्यास वाले लोहे, मिश्रित अथवा गैर-मिश्रित इस्पात (ढलवाँ लोहे से इतर) के हॉट फिनिश अथवा कोल्ड ड्रॉन या कोल्ड रोलड सीमलैस द्यूब, पाइप और हॉलो प्रोफाइल हैं। विचाराधीन उत्पाद में

हाइड्रोकार्बन उद्योग में प्रयुक्त बॉयलर तथा लाइन पाइप तथा तेल और गैस की खोज हेतु ड्रिलिंग में इस्तेमाल होने वाले केंसिंग और ट्यूबिंग शामिल हैं।

4. सीमलैस ट्यूब का इस्तेमाल वहाँ किया जाता है जहाँ मजबूती, क्षरणरोध, माइक्रोस्ट्रक्चर और टिकाऊ उत्पाद अत्यधिक महत्वपूर्ण होते हैं। केंसिंग/ट्यूबिंग का इस्तेमाल समुद्र तथा भूमि से अपरिष्कृत तेल तथा गैस के दोहन में किया जाता है। लाइन पाइपों का इस्तेमाल हाइड्रोकार्बन तथा प्रसंस्करण उद्योग में किया जाता है। बॉयलर पाइपों का इस्तेमाल बॉयलर, हीट एक्सचेंजर, सुपर हीटर तथा कंडेन्सर और मशीनी, संरचनागत तथा सामान्य इंजीनियरी उद्योग, रेलवे आदि में किया जाता है।

5. सीमलैस पाइप तथा ट्यूब सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 73 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 73.04 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं तथापि यह वर्गीकरण सांकेतिक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

घरेलू उद्योग तथा उसका मत

6. यह आवेदन मै. आईएसएमटी लिमिटेड-पुणे द्वारा दायर किया गया है और मै. महाराष्ट्र सीमलैस लि. और जिंदल सॉ लि. द्वारा समर्थित है। मै. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लि. (बीएचईएल) तथा मै. रैमी मेटल्स लि. भारत में विचाराधीन उत्पाद के अन्य ज्ञात उत्पादक हैं। यह नोट किया जाता है कि मै. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लि. (बीएचईएल) तथा मै. जिंदल सॉ लि. ने जांच की अवधि में संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है। बीएचईएल ने इस उत्पाद का पर्याप्त रूप से आबद्ध प्रयोग किया है और उसे अन्य भारतीय उत्पादकों से भी खरीदा है। प्राधिकारी ने बीएचईएल को अपात्र घरेलू उद्योग माना है। हालाँकि मै. जिंदल सॉ लि. द्वारा किए गए आयात की मात्रा काफी कम है और उसके मदेनजर प्राधिकारी ने मै. जिंदल सॉ लि. को पात्र घरेलू उद्योग माना है। यह नोट किया गया है कि रिकॉर्ड में दर्ज सूचना के आधार पर प्राधिकारी ने निर्धारित किया है कि (क) आवेदक द्वारा किया जाने वाला उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा बनता है; (ख) आवेदन को खुला समर्थन देने वाले घरेलू उत्पादकों का हिस्सा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद के कुल उत्पादन के 50% से अधिक बनता है; तथा (ग) यह आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उनकी ओर से दायर किया गया गया है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना की जांच के पश्चात प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि आवेदक (मै. जिंदल सॉ लि. को शामिल करके अथवा उन्हें शामिल किए बिना) नियम 2 के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग है और यह आवेदन उपर्युक्त नियमवाली के नियम 5 के संदर्भ में स्थिति संबंधी मानदण्डों को पूरा करता है।

शामिल देश

7. वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य है।

समान वस्तु

8. आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं एवं चीन जन. गण. द्वारा निर्यातित वस्तु में कोई ज्ञात विशेष अंतर नहीं है। वास्तविक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण इत्यादि जैसे मानदण्डों के संदर्भ में दोनों उत्पादों की विशेषताएं तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं आधारभूत उत्पाद गुणधर्मों के संदर्भ में चीन जन. गण. से आयातित वस्तुओं से तुलनीय हैं। इसलिए वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को नियमावली के अर्थ के भीतर चीन जन. गण. से आयातित संबद्ध वस्तुओं के “ समान वस्तु ” माना जा रहा है।

सामान्य मूल्य

9. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन जन. गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए और इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 और 8 के अनुसार किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने यह अनुरोध किया है कि किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा संरचनागत मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण इस कारण से नहीं किया जा सकता है कि उनके पास संगत सूचना उपलब्ध नहीं है। इसके अतिरिक्त उन्होंने दावा किया है कि भारत सहित अन्य देशों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देशों की कीमत पर निम्नलिखित कारणों से निर्भर नहीं रहा जा सकता है, (क) संगत सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है, (ख) सारांश रूप में उपलब्ध सीमाशुल्क सूचना पर इस कारण से विश्वास नहीं किया जा सकता कि विचाराधीन उत्पाद हेतु कोई विशिष्ट सीमाशुल्क वर्गीकरण नहीं है, (ग) अन्य जाँच प्राधिकारियों (यूरोप, यूएसए तथा कनाडा) द्वारा की जा रही जाँचों से यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित होता है कि चीन के उत्पादक प्रमुख वैश्विक बाजारों में पाटन का सहारा ले रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों की निर्यात कीमतें भी अदमूल्यित होंगी। अतः आवेदक ने अनुरोध किया है कि बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्च एवं लाभ सहित भारत में उत्पाद की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाए। प्राधिकारी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 तथा 8 के अनुसार एतद्वारा सभी हितबद्ध पक्षकारों से उनकी टिप्पणियाँ आमंत्रित करते हैं।

निर्यात कीमत

10. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआई एंड एस से एकत्रित सौदेवार आयात आंकड़ों पर विचार करके किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़ा, अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन तथा निर्यातक देश में पतन व्यय के आधार पर कीमत समायोजन किया गया है।

पाटन मार्जिन

11. संबद्ध देश के संदर्भ में सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की तुलना कारखाना द्वार स्तर पर की गई है। इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं कि चीन में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य

मूल्य कारखाना द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्ट्या यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देश से निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है और पाटन मार्जिन के न्यूनतम से अधिक होने का अनुमान है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

12. आवेदक ने वास्तविक क्षति के संबंध में विभिन्न मानदण्डों से संबंधित सूचना उपलब्ध कराई है, जिसके विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि आयातों में समग्र अर्थों में तथा भारत में उत्पादन तथा खपत के संबंध में भी वृद्धि हुई है। विचाराधीन उत्पाद के आयातों से घरेलू कीमतों में अत्यधिक कटौती हो रही है और ऐसे आयातों का उद्देश्य कीमत वृद्धि को रोकना था जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक मानदण्डों के संबंध में उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर यह देखा जा सकता है कि अन्य बातों के साथ-साथ उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री मूल्य तथा मात्रा, लाभ, निवेश पर आय, नकद प्रवाह, मालसूची और बाजार हिस्से के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में समग्र और संचयी रूप से वास्तविक गिरावट आई है। वास्तविक क्षति के अलावा आवेदक ने घरेलू तथा आयातित उत्पाद की कीमत में अत्यधिक अंतर, अत्यधिक मात्रा में संबद्ध वस्तु का नौवहन करने की संबद्ध निर्यातकों की क्षमता, अन्य देशों द्वारा की जा रही मौजूदा जांचों के आधार पर वास्तविक क्षति के खतरे का दावा किया है। नियमावली के अर्थ के भीतर पाटनरोधी जांच की शुरुआत के औचित्य को सिद्ध करने के लिए इस बात के पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हैं कि चीन जन. गण. से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

पाटनरोधी जांच की शुरुआत

13. उपर्युक्त पैराग्राफों के मद्देनजर प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा एवं प्रभाव की जांच करने हेतु पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हैं।

जांच की अवधि

14. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2008 से 30 जून, 2009 (15 माह) है। तथापि क्षति जांच अवधि में वर्ष 2005-06, 2006-07, 2007-08 तथा जांच की अवधि शामिल होगी।

सूचना प्रस्तुत करना

15. संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, भारत में उनके दूतावास के जरिए उनकी सरकार, भारत में इस जांच से संबंधित समझे जाने वाले आयातकों और घरेलू उद्योग को निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए और निम्नलिखित को अपने विचारों से अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
भारत सरकार
कमरा नं. 240, उद्योग भवन
नई दिल्ली-110107

16. उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी जांचाधीन वस्तु के औद्योगिक प्रयोक्ताओं तथा प्रतिनिधिक उपभोक्ता संगठनों को भी अवसर प्रदान कर रहे हैं जो पाटन, क्षति तथा कारणात्मकता से संबंधित जांच से संगत सूचना उपलब्ध करवा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी जांच से संगत अपने अनुरोध नीचे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रस्तुत कर सकते हैं।

समय सीमा

17. वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जाए जो प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन (चालीस दिन) के भीतर पहुँच जानी चाहिए। तथापि ज्ञात निर्यातकों एवं आयातकों जिन्हें अलग से लिखा गया है, को यह सूचना उन्हें भेजे गए पत्र की तारीख से 40 दिन (चालीस दिन) के भीतर भेजनी होगी। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती अथवा अधूरी सूचना प्राप्त होती है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी, उपर्युक्त नियमावली के अनुसरण में, रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने परिणाम दर्ज कर सकते हैं। यह नोट किया जाए कि निर्धारित समय सीमा में विस्तार हेतु किसी भी प्रकार के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

18. नियमावली के नियम 6(7) के संदर्भ में, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्राधिकारी को प्रस्तुत की गई किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित होता है और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकार के विचार से ऐसी सूचना का सारांश तैयार करना संभव न हो तो उसका कारण बताते हुए एक विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

19. नियम 6(7) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी एक सार्वजनिक फाइल रखते हैं। कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय सारांश वाली उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 12th January, 2010

Subject : Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of seamless tubes, pipes and hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron), whether hot finished or cold drawn or cold rolled, of an external diameter not exceeding 273 mm or 10", originating in or exported from China PR.

No. 14/55/2009-DGAD.—Whereas M/s. ISMT Ltd., Pune (hereinafter referred to as the applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and thereafter (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the Rules), alleging dumping of seamless tubes, pipes and hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron), whether hot finished or cold drawn or cold rolled, of an external diameter not exceeding 273 mm or 10", (hereinafter referred to as subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country) and requested for initiation of Anti-Dumping investigation for levy of anti-dumping duty on import of the subject goods. The application is supported by M/s. Maharashtra Seamless Ltd. and Jindal Saw Ltd.

2. And whereas, the Authority finds sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the subject country and injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury exists, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of Rule 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION

3. The product under consideration in the present investigation is seamless tubes, pipes and hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron), whether hot finished or cold drawn or cold rolled, of an external diameter not exceeding 273 mm or 10". The product under consideration includes boiler and line pipes used in

hydrocarbon industry and casing & tubing of a kind used in drilling for oil and gas exploration.

4. Seamless tubes are used where strength, resistance to corrosion, microstructure and product life is very crucial. Casing/tubing are used in extraction of Crude Oil and Gas from sea as well as from earth. Line pipes are used in hydrocarbon and processing industry. Boiler pipes are used in Boilers, Heat Exchangers, Super Heaters and Condensers, and in mechanical, structural and general engineering industry, Railways etc.

5. Seamless Pipes and Tubes are classified under Customs sub-heading No. 73.04 of Chapter 73 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

Domestic Industry and Standing

6. The application has been filed by M/s. ISMT Limited, Pune and supported by M/s. Maharastra Seamless Limited and M/s. Jindal Saw Limited. M/s Bharat Heavy Electrical Limited (BHEL) and M/s Remi Metals Ltd. are the other known producers of the product under consideration in India. It is noted that M/s Bharat Heavy Electrical Limited (BHEL) and M/s Jindal Saw Limited have imported the product under consideration from the subject country in the period of investigation. BHEL has substantially consumed the product captively and has even purchased the same from other Indian Producers. The Authority has considered BHEL as ineligible domestic industry. However, the volume of imports made by M/s Jindal Saw Limited are however quite low and in view of that the Authority has considered M/s Jindal Saw as eligible domestic industry. It is noted that (a) production of the applicant constitutes a major proportion in Indian production; (b) domestic producers expressly supporting the application account for more than 50 percent of production of the like product produced by the domestic industry; and (c) the application has been made by or on behalf of the domestic industry. The Authority after examining the information on record determines that the applicant (with or without exclusion of M/s Jindal Saw Limited constitutes domestic Industry within the meaning of the Rule 2 and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

Country Involved

7. The country involved in the present investigation is China PR.

Like Article

8. The applicant has claimed that there are no known significant differences in subject goods produced by the domestic industry and exported from China PR. Both products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc. The

goods produced by the domestic industry are comparable to the goods imported from China PR in terms of essential product properties. The domestic product is technically and commercially substitutable to the imported product. Therefore, for the purpose of present investigation, subject goods produced by the applicant are being treated as "Like Article" to the subject goods imported from China PR within the meaning of the Rules.

Normal Value

9. The applicant has claimed that China PR should be treated as non-market economy and therefore the normal value should be determined in accordance with the provisions of Para 7 and 8 of Annexure-I of the Rules. The applicant has submitted that normal value could not be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not available to them. Further, they claimed that price from market economy third country to other countries, including India, cannot be relied upon for the reasons (a) the relevant information is not publicly available, (b) summary customs information cannot be relied upon for the reason that the product under consideration does not have dedicated customs classification, (c) the investigations being conducted by other investigating authorities (Europe, USA and Canada) clearly establishes that the Chinese producers are resorting to dumping in major global markets and thus export price from other countries would also be suppressed. The applicant has therefore, claimed normal value based on cost of production in India, including selling, general & administration expenses and reasonable profit. The applicant has further provided address of a few producers of the subject goods in USA and submitted that the Designated Authority may seek cooperation from the producers in USA during the course of the proposed investigation. Authority hereby invites comments from all interested parties in accordance with Para 7 and 8 of Annexure I to the Rules.

Export Price

10. Export price of the subject goods from the subject country has been determined by considering transaction wise import data collected from the DGCI&S. Price adjustments have been made on account of ocean freight, inland freight, marine insurance, commission, and port expenses in the exporting country to arrive at ex-factory export price.

Dumping Margin

11. Normal value and export price have been compared at ex-factory level in respect of the subject country. There is sufficient evidence that the normal value of the subject goods in China PR, so arrived is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from subject country into the Indian market and the dumping margin is estimated to be *above de minimis*.

Injury and Causal Link

12. The applicant has furnished information on various parameters relating to material injury. Analysis of the information shows that imports have increased in absolute terms as also in relation to production & consumption in India. Imports of the product under consideration are significantly undercutting the domestic prices and the effect of such imports was to prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree. On the basis of the information provided with regard to various economic parameters relating to the domestic industry, it is seen that the performance of the domestic industry materially deteriorated, inter-alia, and collectively & cumulatively in terms of production, capacity utilization, domestic sales values & volume, profits, return on investments, cash flow, inventories and market share. In addition to material injury, the applicant has claimed threat of material injury on the grounds of significant difference in the domestic and imported product price, ability of the subject exporters to ship significantly higher volumes, current investigations being conducted by other countries. There is sufficient evidence that the injury to the domestic industry has been caused by dumped imports from China PR to justify initiation of an anti-dumping investigation in terms of the Rules.

Initiation of Antidumping Investigation

13. The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject Country.

Period Of Investigation

14. The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1st April 2008 – 30th June 2009 (15 months). The injury investigation period will, however, cover the period 2005-06, 2006-07, 2007-08 and the POI.

Submission of Information

15. The known exporters in the subject Country, their Government through the Embassy in India, the importers in India known to be concerned with this investigation and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address:

The Designated Authority
Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce,
Government of India,
Room No. 240, Udyog Bhavan,
New Delhi – 110107.

16. As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation and to representative consumer organizations, who can furnish information relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

Time Limit

17. Information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than 40 Days (forty days) from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within 40 Days (forty days) from the date of the letter addressed to them separately. If no information is received within the prescribed time limit or the submitted information is incomplete, the Designated Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules. It may be noted that no request, whatsoever, shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

Submission of Information

18. In terms of Rule 6(7) of the Rules, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated Authority may record findings on the basis of facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

Inspection of Public File

19. In terms of Rule 6(7), the Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by interested parties.

P.K. CHAUDHERY, Designated Authority